सादर सेवा

कोंकण रेलवे- पर्यावरण अनुकूल संस्थानों में अग्रगामी

पर्यावरण अनुकूलता को बेहतर प्रभावशाली बनाने की प्रतिबद्धता हेतु हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। कोंकण रेलवे हमेशा अपने काम में पर्यावरण के अनुकूल पहल को अपनाने और सुनिश्चित करने में अग्रणी रहा है। कोंकण रेलवे मानवाधिकार, श्रम मानकों, पर्यावरण संरक्षण और भ्रष्टाचार विरोधी क्षेत्रों में ग्लोबल कॉम्पैक्ट के दस सिद्धांतों का अनुपालन करता है। कोंकण रेलवे के विज़न, मिशन और ऑब्जेक्टिव स्टेटमेंट्स में भी इसे परिलक्षित किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण/संरक्षण के साथ-साथ नवीन तकनीकों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रयासरत है। कोंकण रेलवे की भविष्य दृष्टि , लक्ष्य और उद्देश्य में भी इसे परिलक्षित किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण/सुरक्षा के साथ-साथ नवीन तकनीकों को विकसित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रयासरत है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए कोंकण रेलवे की कुछ पहलू हैं - एक अनोखी और अभिनव रोल-ऑन रोल-सेवा, जो रेल वैगनों पर सड़क ट्रकों को वहन कर स्थानांतरित करती है, जिससे उन्हें कोलाड और सूरतकल के बीच पश्चिमी घाट के माध्यम से वहन कर स्थानांतरित करना संभव हो जाता है।

यह सेवा 26 जनवरी, 1999 को प्रारंभ की गई थी और इसने अब तक लगभग 5 लाख सड़क ट्रकों का परिवहन किया है और लगभग 750 लाख लीटर ईंधन की बचत की है। देश की अर्थव्यवस्था में भारी बचत के अलावा, इसने सड़कों पर यातायात की भीड़ को कम करने और कोंकण क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के साथ काफी लाभान्वित किया है। कोंकण रेलवे की इस तकनीक का भारतीय रेलवे में भी अनुकरण किया जा रहा है।

ईंधन कुशल और पर्यावरण के अनुकूल डी.ई.एम.यू.(डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) सेवाओं का परिचय इस दिशा में एक और कदम है। इन ट्रेनों के कई लाभों में से एक मडगाँव जैसे व्यस्त और तेजी से बढ़ते शहरों में यातायात की भीड़ में कमी आई है। हमारी निकट भविष्य में सवारी यात्री ट्रेनों के लिए और अधिक डी.ई.एम.यू. रेक शुरू करने की योजना है।

कोंकण रेलवे ने ट्रेन के डिब्बों की सफाई के लिए एक स्वदेशी कम लागत वाली मजबूत "स्वचालित कोच वॉशिंग प्लांट" तकनीक विकसित की है। यह तकनीक अपने मैनुअल सफाई समकक्ष की तुलना में 70% कम पानी का उपयोग करती है,जिसमें प्रत्येक संयंत्र में 10 मिलियन लीटर से अधिक पानी की बचत होती है।

इससे जुड़े संयंत्र में गंदे बहनेवाले जल के पुनर्चक्रण की सुविधा है। कोंकण रेलवे के अपने मार्ग पर ऐसे दो संयंत्र हैं और एक संयंत्र कोलकाता मेट्रो में स्थापित किया गया है। अर्थव्यवस्था के साथ-साथ पानी और ऊर्जा की बचत के संदर्भ में भारी लाभों को ध्यान में रखते हुए, इस तकनीक को भारतीय रेलवे में भी उपयोग के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है।

कोंकण रेलवे के पांच स्टेशनों पर वर्षा जल संचयन को कामथे, रत्नागिरी, उक्षि, अंकोला और मुर्डेश्वर पर पानी के संरक्षण का एक और प्रयास है, जिसे कोंकण रेलवे द्वारा अपनाया जा रहा है।

कोंकण रेलवे मार्ग पर सभी नई इमारतों और प्रतिष्ठानों को भविष्य में वर्षा जल संचयन प्रणाली प्रदान की जाएगी। स्टेशनों और ट्रेनों में पर्यावरण के अनुकूल जैव शौचालयों का प्रावधान नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके संसाधनों के संरक्षण करना और एक अभीनव प्रयास है। हमने अब तक अपने एक चौथाई कोच में और हमारे रेलवे स्टेशनों में से ग्यारह में बायो टॉयलेट लगाए हैं। भविष्य में कोंकण रेलवे स्टेशनों के सभी टॉयलेटों में जैव शौचालय स्थापित किए जाएंगे।

इसके अलावा, जैव अपशिष्ट को खाद में परिवर्तित करने वाले "ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर" रत्नागिरी, मडगाँव और कारवार स्टेशनों पर स्थापित किए गए हैं। रत्नागिरी स्टेशन के रनिंग रूम में एक बायो डाइजेस्टर भी स्थापित किया गया है, और बायोगैस जनरेशन का उपयोग रसोई में खाना पकाने के लिए किया जाता है। इस परियोजना की सफलता के बाद, इस तरह के और अधिक जैविक अपशिष्ट परिवर्तक और बायोडाइजेस्टर स्थापित कराने की योजना हैं।

ऊर्जा प्रबंधन के अग्र स्थान पर और एक प्रयास रत्नागिरी में 350 किलोवाट क्षमता का सोलर पार्क है जो शहर की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसके अलावा कुडाल, सावंतवाड़ी और उडुपि स्टेशनों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाए गए हैं। पवन और सौर हायब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली भी सम पार फाटकों और स्टेशनों पर स्थापित की गई है।

कोंकण रेलवे द्वारा सुरंगों के लिए उपयुक्त अद्वितीय ऊर्जा बचत एल.ई.डी. लाइटों को विकसित किया गया है और ये एल.ई.डी. लाइट कोंकण रेलवे के सभी 66 सुरंगों में लगाई गई हैं। कोंकण रेलवे मार्ग पर वायू प्रदूषण को कम करने के प्रयास हेतु सात लंबी सुरंगों में " टनेल वेंटिलेशन सिस्टम" स्थापित किया गया है। यह प्रणाली इन सुरंगों के भीतर हवा की गुणवत्ता को नियंत्रित करती हैं।

कोंकण रेलवे ने कोंकण क्षेत्र में पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता की उच्च भावना प्रदर्शित करते हुए एक निरंतर गतिविधि के तहत 40000 से अधिक पेड़ लगाए गए।

जैसा कि हम भविष्य में भी हमेशा हमारे पर्यावरण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। एक बेहतर कोंकण रेलवे, एक बेहतर भारत और एक बेहतर प्रभावशाली अपना मार्ग बनाने के लिए अपने भविष्य दृष्टि से नजर अंदाज भी नहीं करना है।

इस विश्व पर्यावरण दिवस पर कोंकण रेलवे एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिकता का रोल मॉडल बनने के लिए पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास की दिशा में अपने प्रयासों को दोगुना करने का संकल्प करती है।

01.03.22